Dainik Bhaskar (Indore), 22nd May 2024, Indore City Page-02

आईआईटी इंदौर की इन्फेक्शन बायोइंजीनियरिंग ग्रुप की टीम का शोध

ओरल कैंसर होने से पहले इसका पता लगाया जा सकता है

इंदौर | आईआईटी इंदौर की इन्फेक्शन बायोइंजीनियरिंग ग्रुप की टीम ने पान-सुपारी खाने वालों पर किए शोध में पता लगाया कि किस तरह ओरल कैंसर होने से पहले फाइब्रोसिस की स्टेज पर ही इस घातक बीमारी को रोका जा सकता है, जिससे वह आगे चलकर कैंसर में तब्दील न हो।

यह शोध डॉ. हेमचंद्र झा के नेतृत्व में छात्र तरुण प्रकाश वर्मा, सिद्धार्थ सिंह और सोनाली अधिकारी ने किया। सहयोग प्रो राजेश कुमार और डॉ चंचल रानी ने दिया। शोध जर्नल ऑफ रमन स्पेक्ट्रोस्कोपी में भी प्रकाशित हुआ है। शहर के गवर्नमेंट डेंटल कॉलेज, एम्स भोपाल ने भी इसमें सहयोग दिया। डॉ. झा ने बताया, अकसर सुपारी खाने वाले जिन व्यक्तियों का भोजन संतुलित नहीं होता या उनके खाने में पोषक तत्वों की कमी होती है, उन्हें फाइब्रोसिस और आगे चलकर कैंसर होने का ज्यादा खतरा होता है। सुपारी खाने वाले जो लोग अपने भोजन में टमाटर, गाजर और ताजी सब्जियों का सेवन करते हैं, उनमें कैंसर होने की संभावना कम होती है।

दवाइयां तैयार करने पर भी हो रहा है शोध

जिन मरीजों को ओरल सब म्यूकस फाइब्रोसिस हो जाता है, उनकी बीमारी को कैंसर में तब्दील होने में 2 से 7 साल तक का समय लग सकता है। अगर मरीज को सही तरीके से दवाई और पोषण मिल जाए तो इसे कैंसर में तब्दील होने से रोका जा सकता है। इस बीमारी को दूर करने के लिए दवाइयां तैयार करने पर भी शोध किया जा रहा है।